

किस्मत संवर गयी है तेरी शरण में आकर

किस्मत संवर गयी है तेरी शरण में आकर,
जीने लगे हम भी दुनिया में सिर उठा कर,

घुट घुट के अपना जीवन युही बिता रहे थे,
अपनी दशा पे मोहन खुद ही लजा रहे थे,
अरमान सरे दिल के रखते थे दबा के,
किस्मत संवर गयी है तेरी शरण में आकर,

गैरो की क्या कहे हम अपनों ने भी न छोड़ा,
कानो के पथारो ने शेषे के दिल को तोड़ा,
इस दिल के तुकडे लाये दर पे तेरे बचाकर,
किस्मत संवर गयी है तेरी शरण में आकर,

ना जाने कब तुम्हरी हम पर पड़ी नजर है,
दर पे भुलाया हमको सोनू तेरी मेहर है करुना लुटाई हम पे अपने गले लगा कर,
किस्मत संवर गयी है तेरी शरण में आकर,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2795/title/kismat-sanwar-gayi-hai-teri-sharan-mein-aakar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |